

अक्षरीकरण पुं. (तत्.) वाक्य, वाक्यांश अथवा शब्दों का अक्षरों में विभाजन। syllabing

अक्षरेखा स्त्री. (तत्.) धुरी की रेखा, वह सीधी रेखा जो किसी गोलक के भीतर केंद्र से होती हुई दोनों पृष्ठों पर लंब रूप से गिरे, दक्षिण ध्रुव और उत्तर ध्रुव को जोड़ने वाली काल्पनिक सरल रेखा।

अक्षरौटी स्त्री. (तद्.) 1. वर्णमाला 2. लिखावट, लिखने का ढंग।

अक्षवाट पुं. (तत्.) द्यूतशाला, जुआघर, जुआखेलने का स्थान। casino

अक्षविद्या स्त्री. (तत्.) 1. द्यूत विद्या, द्यूत-कला 2. पासे के खेल में दक्ष बनाने वाली विद्या उदा. महाभारत में शकुनि अक्षविद्या में पारंगत था।

अक्षवृत्त पुं. (तत्.) पृथ्वी के मानचित्र पर भूमध्य रेखा के समांतर उत्तर या दक्षिण में समान कोणीय दूरी वाले बिंदुओं को मिलाने वाली खींची गई गोलाकार (काल्पनिक) रेखा/रेखाएँ।

अक्षसूत्र पुं. (तत्.) रुद्राक्ष की माला।

अक्षांत पुं. (तत्.) बनस्पति वृक्ष या पौधे का कोई अंग जिससे दूसरे अंग निकलते हैं, उसका अंत अथवा सिरा।

अक्षांत फल पुं. (तत्.) शाखा के अंतिम छोर पर उत्पन्न फल।

अक्षांतर पुं. (तत्.) भूगो. भूमध्य रेखा से उत्तर या दक्षिण का अंतर जिसे अंशों, मिनटों व सेकंडों में व्यक्त किया जाता है, अक्षांश।

अक्षांश पुं. (तत्.) भूगोलक पर भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण में 180-180 (कुल 360 अंशों में) काल्पनिक रूप से समान दूरी पर खिंची मानी जाने वाली रेखाएँ जो पृथ्वी के केंद्र से कोणीय दूरी को व्यक्त करती हैं टि. भूमध्यरेखा।

अक्षांश वृत्त पुं. (तत्.) पृथ्वी के मानचित्र पर भूमध्य रेखा के समांतर उत्तर या दक्षिण में समान कोणीय दूरी वाले बिंदुओं को मिलाने वाली कल्पित रेखाएँ दे. अक्षांश।

अक्षांशीय पैमाना पुं. (तत्.) भूमध्य रेखा से किसी अक्षांशीय रेखा पर की वह दूरी जो दो देशांतर रेखाओं के बीच नापी जाए।

अक्षार वि. (तत्.) रसा. 1. क्षार रहित, जिसमें क्षार न हो 2. जो क्षार से भिन्न हो।

अक्षि स्त्री. (तत्.) 1. आँख, नेत्र 2. दो की संख्या

अक्षिकंप पुं. (तत्.) आँख झपकना।

अक्षिकोटर पुं. (तत्.) दे. नेत्र गुहा। eye socket

अक्षिक्षेप पुं. (तत्.) 1. नज़र फेंकना 2. तिरस्कार, निंदा 3. अपमान।

अक्षिगोलक पुं. (तत्.) नेत्रकोटर में स्थित नेत्रगोलक eye ball

अक्षितारक पुं. (तत्.) आँख की पुतली pupil

अक्षिति स्त्री. (तत्.) क्षय न होने की स्थिति, अनश्वरता।

अक्षि-पक्ष्म पुं. (तत्.) बरौनी, पलकों के किनारे के ऊपर के बाल eye lash

अक्षि-पटल पुं. (तत्.) आँख के कोण पर स्थित झिल्ली, आँख का पर्दा।

अक्षि-बिंब पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ पर दृष्टि-तंत्रिका नेत्र गोलक में प्रवेश करती है।

अक्षि-लोम पुं. (तत्.) बरौनी, अक्षि-पक्ष्म।

अक्षि-विक्षेप पुं. (तत्.) तिरछी चितवन, कटाक्ष।

अक्षि-साक्षी पुं. (तत्.) प्रत्यक्षदर्शी, चश्मदीद गवाह, प्रत्यक्ष देखने वाला गवाह। eye witness

अक्षीण वि. (तत्.) 1. क्षीण न होने वाला, जो कम न हो, जो न घटे 2. अविनाशी, नाशरहित, अनश्वर।

अक्षीय वि. (तत्.) आँख संबंधी, आँख का।

अक्षुण्ण वि. (तत्.) 1. अखंडित, बिना टूटा हुआ, समूचा 2. लगातार, व्यवधानरहित।

अक्षुण्णता स्त्री. (तत्.) 1. अक्षुण्ण रहने का भाव/स्थिति। 2. अखंडता। 3. कम न होना।